

लखनऊ में खुला देश का पहला सैन्य औषधि विभाग

जैविक-रासायनिक हमलों से उत्पन्न खतरों पर होगा शोध, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया वर्चुअल शुभारंभ

लखनऊ। राजधानी में छावनी स्थित मध्य कमान के कमांड अस्पताल में देश का पहला सैन्य औषधि विभाग शुरू किया गया है। यहां रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) हमलों से पैदा होने वाले खतरों पर अध्ययन



व शोध होगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को इसका वर्चुअल शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध अब पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं है। रासायनिक, जैविक और विकिरण संबंधी खतरों के साथ

सामूहिक विनाश के हथियारों की चुनौती बढ़ रही है।

नया विभाग इससे निपटने के लिए शोध और विशेषज्ञता का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां ऑपरेशनल एवं मिलिट्री मेडिसिन, कॉम्बैट मेडिसिन-सर्जरी, ट्रॉमा केयर और बड़े पैमाने पर हताहतों के प्रबंधन पर काम होगा। इसे दुनिया का श्रेष्ठ

बैटलफील्ड मेडिसिन रिसर्च सेंटर बनाने का लक्ष्य है। विभाग सैन्य आघात नियंत्रण, युद्ध मनोचिकित्सा और सीबीआरएनई चिकित्सा प्रतिक्रिया पर भी ध्यान देगा। दूरस्थ चिकित्सा और सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण में नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। ब्यूरो >> चिकित्सा व नवाचार को मिलेगा बढ़ावा : माई सिटी 5